साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 22 — गोंदिया : गुरुवार, 7 जनवरी 2021 — पृष्ठ : 4 — मूल्य : रु. 5

रेत माफियाओं के सामने प्रशासन बेबस

७ जनवरी की निलामी प्रक्रिया फिर बढ़ी आगे

१० घाटों का ऑनलाइन खुलना था टेंडर। डेढ़ वर्षों से नहीं हुई निलामी, करोड़ो के राजस्व का नुकसान

नवीन अग्रवाल– गोंदिया जिले के १० रेती घाटों की निलामी प्रक्रिया पूर्ण होने के साथ ही ७ जनवरी को इसके टेंडर खोला जाना था। किंतु रेत माफियाओं के सामने प्रशासन की बेबसी फिर सामने आई है। जिसके चलते अब टेंडर खोलने की तारीख आगे बढ़ाई गई है। जिले के साथ-साथ पुरे राज्य में गत डेढ़ वर्षों से रेती घाटों की निलामी नहीं होने से करोड़ो के राजस्व का नुकसान शासन को हो रहा है। लेकिन माफिया मालदार हो रहे हैं। गौरतलब है कि भवन निर्माण व सभी प्रकार के निर्माण कार्य में गौणखनिज का उपयोग होता है। जिसका मुख्य घटक नदियों से निकलनेवाली रेत होती है। जिसकी निलामी से शासन को प्रतिवर्ष करोड़ो रुपए का राजस्व प्राप्त होता है। वर्ष २०१८-१९ में रेती घाटों से गोंदिया जिले को करीब २० करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था। लेकिन गत डेढ़ वर्षों से विभिन्न कारणों प्रक्रिया में देरी पर्यावरण समितियों की समय पर मंजूरी न मिलने से निलामी नहीं हो पाई थी। लेकिन अब पर्यावरण समिति द्वारा जिले के २४ घाटों में से १४ घाटों को मंजूरी दी गई थी। जिसमें से चार घाट शासकीय कार्यों व आवास योजना के मकानों के लिए आरक्षित किए गए थे, तथा शेष १० घाटों की निलामी प्रक्रिया दिसंबर माह में आगामी दो वर्षों के लिए शुरु की गई थी। जिसके लिए अनेक लोगो ने ऑनलाइन टेंडर प्रक्रिया में आवेदन भरें। जिन्हें ७ जनवरी २०२१ को खोला जाना था। किंतु अचानक बिना किसी कारण के टेंडर खोलने की तारीख आगे बढ़ाई गई है तथा फिलहाल नई तारीख निश्चित नहीं हुई है।

इन १० घाटों की होना था निलामी

गोंदिया जिले के तीन तहसीलों के अंतर्गत आनेवाले मंजूरी प्राप्त १० घाटों की निलामी की जानी थी। जिसमें तिरोड़ा तहसील के अंतर्गत आनेवाले चांदोरी (बुर्ज), घाट कुरोड़ा-१, घाट कुरोड़ा-२, बोंडरानी, महलगांव मुरदाड़ा गोंदिया तहसील के अंतर्गत डांगोरली, देवरी, किन्ही व बिरसोला आमगांव तहसील अंतर्गत बिरोली घाट का समावेश हैं।

पर्यावरण समिति की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह

गौणखनिज उत्खन्न व रेती घाटों के निलामी के पूर्व पर्यावरण समिति की मंजूरी लेना अनिवार्य है। लेकिन गत कुछ वर्षों में पर्यावरण समिति की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह निर्माण होने लगा है, जब प्रतिवर्ष घाटों की निलामी की जानी है तो बार-बार समिति द्वारा सर्वे में देरी करना संदेह निर्माण कर रहा है। समिति की देरी के चलते रेती चोरी होना बड़े पैमाने पर शुरु हो जाता है। जिससे पर्यावरण संरक्षण के स्थान पर उसे और अधिक नुकसान पहुंच रहा है। क्योंकि चोरी करनेवाले किसी भी प्रकार के नियमों का पालन नहीं करते हैं।

रेत माफिया मस्त प्रशासन पस्त

जिले में रेती घाटों की निलामी नहीं होने से बड़े पैमाने पर रेती तस्करी करनेवाले माफियाओं के गिरोह तैयार हो गए हैं। जिससे उन्हें प्रतिमाह करोड़ो रुपए की आमदनी हो रही हैं। जिसका हिस्सा वे नीचे से लेकर उपर तक पहुंचा रहे हैं। जिसके चलते चोरी का यह धंधा फल फुल रहा है। हालांकि प्रशासन द्वारा समय-समय पर कुछ कार्यवाई तो की जाती है लेकिन उसका असर होता दिखाई नही दिखाई दे रहा है। अब रेती माफिया इतना सक्षम हो चुका है उनके द्वारा समय-समय पर निलामी प्रक्रिया को भी कानून का सहारा लेकर प्रभावित की जा रही हैं।

तकनीकी कारणों से बढ़ी आगे तारीख

जिले के १० रेती घाटों की निलामी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। लेकिन तकनीकी कारणों से ७ जनवरी को खुलनेवाले टेंडर की तारीख आगे बढ़ाई गई है, जिसकी नई तारीख जल्द ही घोषित कर टेंडर खोले जाएगे।

–सचिन वाढवे
जिला खनिकर्म अधिकारी, गोंदिया

ग्राम पंचायत चुनाव : १,६९३ जगहों पर उम्मीद्वार मैदान में, २०० अविरोध

३३९ उम्मीद्वारों ने लिया नामांकन वापस

गोंदिया– ग्राम पंचायत चुनाव हेतु उम्मीद्वारों के नामांकन वापस लेने की अंतिम तारिख ४ जनवरी तय की गई थी। जहां जिले की सभी ८ तहसीलों के ३३९ उम्मीद्वारों ने अपना नामांकन वापस लिया। जिसके चलते १६९३ जगह के लिए ३५०४ उम्मीद्वार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत अजमाने जा रहे है। इस हेतु १५ जनवरी को मतदान किया जाएगा। नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया पूर्ण हो गई तथा उम्मीद्वारों को चुनाव चिन्ह का वाटप भी कर दिया गया है। उसी प्रकार मंगलवार से ग्राम पंचायत चुनाव हेतु प्रचार-प्रसार किया जाएगा। गौरतलब है कि जिले की १८९ ग्राम पंचायतो की कुल १६९३ जगह के लिए १५ जनवरी को चुनाव का आयोजन किया गया है। इस हेतु कुल ३५०४ उम्मीद्वार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत अजमा रहे है। उक्त चुनाव में कुल ३ लाख ३८ हजार ४०५ मतदाताओं द्वारा मतदान किया जाएगा। २३ से लेकर ३ दिसंबर तक उम्मीद्वारों द्वारा नामांकन प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरु थी तथा इसके पश्चात उम्मीद्वारों द्वारा पेश किए गए दस्तावेजों की जांच की गई। जिसमें से ६८ उम्मीद्वारों का आवेदन आपात्र ठहराया गया था। इसके पश्चात ३८४३ उम्मीद्वार ही चुनावी मैदान में थे। लेकिन ४ जनवरी को नामांकन वापस लेने की आखिरि तारीख होने से ३३९ उम्मीद्वारों ने अपना नामांकन वापस लिया। जिसके चलते अब कुल ३५०४ उम्मीद्वारों द्वारा ही उपरोक्त चुनाव में किस्मत अजमाई जा रही है।

लाइसेंसधारक थाने में जमा कराएं अपने शस्त्र

गोंदिया– चुनाव आयोग ने ग्राम पंचायत चुनाव कार्यक्रम घोषित किया है। जिले की १८९ ग्राम पंचायत में आचार संहिता ११ दिसंबर से २१ जनवरी तक लागू की गई है तथा लाइसेंसधारकों को शस्त्र जमा कराने के आदेश प्रशासन ने दिए है। अतिरिक्त जिलाधिश स्मिता बेलपत्रे ने बताया कि चुनाव निर्विघ्न हो, कानून व सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए फौजदारी प्रक्रिया संहिता १९७३ की धारा १४४ के अनुसार राज्य चुनाव आयोग के दिए गए निर्देशानुसार जिले की देवरी तहसील में ५० प्रश से अधिक ग्राम पंचायत चुनाव होने से संपूर्ण देवरी तहसील में आचार संहिता लागू है। इसी तरह बाकी ग्राम पंचायत के स्थान चुनाव वाली ग्राम पंचायत की सीमा से लगे ग्रामों में ११ दिसंबर से आचार संहिता लागू है। इन क्षेत्रों के सभी शस्त्र लाइसेंस धारकों को आचार संहिता की अवधि में शस्त्र शस्त्र रखना प्रतिबंधित किया गया है। इतना ही नही उक्त क्षेत्रों के सभी शस्त्र चुनाव अवधि के लिए पुलिस विभाग में जमा करने हेतु कहा गया है। उसी प्रकार बैंको को शस्त्र रखने मे छुट दी गई है। जिस व्यक्ति को चुनाव के दौरान शस्त्र रखने या साथ ले जाने की आवश्यकता होगी, ऐसे व्यक्ति जिला पुलिस अधीक्षक के माध्यम से जिला दंडाधिकारी के पास आवेदन करें। जिस पर विचार किया जाएगा।

पत्रकार दिवस पर सालेकसा में मेराथान दौड़ व विभिन्न कार्यक्रम

रवि सोनवाने दर्रेकसा – दर्पणकार बालशास्त्री जाभेकर की जयंती ६ जनवरी को पत्रकार दिवस के अवसर पर सालेकसा तहसील पत्रकार संघ द्वारा अर्धनारेश्वरालय हल्बीटोला में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। जिसमें सुबह ७.३० बजे १८ से २५ आयु वर्ग के युवक-युवतियों के लिए मैराथन दौड़ आयोजित की गई थी। जिसका शुभारंभ सालेकसा पुलिस थाने के निरीक्षक प्रमोद बघेल के हस्ते हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर सामाजिक विषयों पर चर्चा सत्र का आयोजन, सत्यपाल महाराज के शिष्य उदयपाल का सप्त खंजरी कार्यक्रम आयोजित किए गये। उपरोक्त कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक संजय पूराम के हस्ते, कार्यक्रम अध्यक्ष विधायक सहसराम कोरोटे, प्रमुख अतिथि तहसीलदार सालेकसा विश्वास शिरसाट, पुलिस निरीक्षक सालेकसा प्रमोद बघेले, गट विकास अधिकारी एस.टी. तुरकर, आर.एफ.ओ. अभिजीत इलमकर, कृषि अधिकारी अजिंक्य दुधाने, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी अमित खोडनकर, उमेदलाल जैतवार, बबलू कटरे, वासुदेव चुटे, गुणवंत बिसेन, तुकाराम बोहरे, बृजभूषण बैस, कुलतारसिंह भाटिया, लता दोनोंडे, वंदना काडे, टीना चुटे, गीता लिल्हारे, चंद्रकुमार बाहेकार उपस्थित थे।

आमगांव मराठी पत्रकार संघ

आमगांव तहसील मराठी पत्रकार संघ द्वारा ६ जनवरी को पत्रकार दिवस के अवसर पर आमगांव नगर परिषद के सभी सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता के कर्मवीर सम्मान पत्र व कंबल देकर सम्मानित किया। आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों के रुप में तहसीलदार आमगांव डी. एन. भोयर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जे. एन. नालकुल, पुलिस निरीक्षक एन. एस. चौहान, पूर्व उपसरपंच रवि शंकर क्षीरसागर, सतीश असाटी, डॉ. विनोद चौहान, अर्चना चिंचालकर, डॉ. सुनंदा नागपुरे, डॉ. मनीषा पटेल, अंतिमा गुप्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहने का आहवान आमगांव तहसील मराठी पत्र संघ के अध्यक्ष भोला गुप्ता व कार्यकारिणी के कांताप्रसाद मिश्रा, जितेंद्र पटेल, मोहन नेवारे, वी.डी. मेश्राम ,अशोक शेंडे, बृजेश असाटी, राजेश तिवारी, नरेश बोपचे, विजय अग्रवाल, वरुण अग्रवाल, सचिन श्यामकुंवर, नरेंद्र निखारे, गजेंद्र चूरहे, संजय दोनोडे, घनश्याम रहांगडाले, नरेश बेंद्रे व नयन उजवने ने किया।

२१ स्वास्थ्य सेवकों पर १०८ गांवो की जिम्मेदारी

संवाददाता सड़क अर्जुनी– तहसील स्तर में स्वास्थ्य सेवकों के पद रिक्त पड़े होने से नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में आ गया है। पिछले अनेक वर्षों से उपरोक्त रिक्त पदों को नहीं भरा गया है। जिसके कारण २१ स्वास्थ्य सेवकों पर १०८ गांवो की जिम्मेदारी आ गई है। वहीं कार्यरत स्वास्थ्य सेवकों पर अतिरिक्त कार्यभार आ गया है। तहसील वैद्यकीय अधिकारी का पद दो महिनों से खाली पड़ा है तथा प्रभारी के भरोसे कामकाज चल रहा है। तहसील में ४ स्वास्थ्य केंद्र है। जिनमें शेंडा, डव्वा, खोडशिवनी तथा पांढरी गांव का समावेश है। उसी प्रकार डव्वा में २, पांढरी ३, शेंडा २ तथा खोडशिवनी २ स्वास्थ्य सेवकों का पद रिक्त पड़ा है। जिसके चलते १०८ गांवो के लोगो की स्वास्थ्य की जिम्मेदारी २१ स्वास्थ्य सेवकों के कंधे पर आ गई है। उक्त स्वास्थ्य सेवकों द्वारा घर-घर पर जाकर स्वास्थ्य सेवा दी जा रही है या नहीं इसपर प्रश्न चिन्ह लगा हुआ है। लेकिन स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। डेंगु, मलेरिया जैसे अन्य बिमारियों का सामना नागरिकों को करना पड़ रहा है। उसी प्रकार स्वास्थ्य संबंधित जानजृती की भी कमी देखने को मिल रही है। गांव की नालियों को भी साफ नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते नालियों में कई दिनों का गंदा पानी जमा हो गया है। जिससे नागरिकों का स्वास्थ्य खतरे में है।

समन्वयक पद पर आनंद जांभुलकर नियुक्त

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव– आमागी होनेवाले नगरपंचायत के चुनाव को देखते हुए सफलता को लेकर जिला कांग्रेस की ओर से आनंदकुमार जांभुलकर को नगर पंचायत स्तर पर समन्वयक पद पर नियुक्त किया गया तथा कार्यभार सौंपा गया। नियुक्ती पत्र जिला कांग्रेस के अध्यक्ष नामदेव किरसान की ओर से सौंपा गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष भागवत नकाडे, बन्सिधर लंजे, अनिल दहिवले, इंद्रदास झिलपे, सुभाष देशमुख, लिलाधर ताराम, प्रेमलाल गेडाम प्रमुख रुप से उपस्थित थे। इस नियुक्ती को लेकर अर्जुनी मोरगांव कांग्रेस की ओर से आनंद जांभुलकर का आभार व्यक्त किया गया।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई न.प.आमसभा का विपक्ष ने किया विरोध

बहुमत से न.प. की खुली जमीनों की चारदीवारी करने व डंपिंग यार्ड का प्रस्ताव मंजूर

गोंदिया नगर परिषद की आम सभा ४ दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित की गई थी। लेकिन लिंक फेल होने से विषयों पर चर्चा नहीं होने के चलते विपक्ष ने इसका विरोध कर बायकाट किया तथा इसके विरोध में धारा ३०८ के तहत जिला अधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की बात कही। उपरोक्त सभा में विभिन्न विभागों के अंतर्गत विकास कार्यो के १७ प्रस्ताव रखे गए थे जिन्हें बहुमत के आधार पर मंजूर किया गया।

जिसमें मुख्य विषयों में नगर परिषद के मिल्कियत की खुली जमीनों को अतिक्रमण से बचाने के लिए सुरक्षा दीवार निर्माण करने विशेष यह है कि उपरोक्त प्रस्ताव के लिए प्रभाग क्र. ५ के नागरिकों द्वारा हस्ताक्षर अभियान भी चलाते हुए पार्षद सचिन शेंडे व मुख्यअधिकारी से मांग की थी। स्वच्छता विभाग अंतर्गत ८ करोड़ ७३ लाख रुपए के घनकचरा प्रकल्प के डी.पी. आर. को मंजूरी प्रदान की गई। जिसके लिए ग्राम सोनपुरी में भूमि खरीदने व प्रकल्प को तैयार करने का प्रस्ताव है। साथ ही शहर के अति आवश्यक स्थानों पर मार्गो के लिए भूमि खरीदने का प्रस्ताव, गुंठेवारी की समय अवधि बढ़ाने, न.प. के खुले स्थानों पर खेल मैदान का निर्माण करने, रैनबसेरा के लिए इमारत निर्माण करने, नगर परिषद सीमा अंतर्गत नई व पुरानी सभी संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन कर नए सिरे से टैक्स लगाने के साथ अन्य सभी प्रस्ताव को बहुमत के आधार पर मंजूरी प्रदान की गई।

अर्थहीन सभा विपक्ष का आरोप

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से दोपहर १ बजे आयोजित सभा का अर्थ नहीं है। जिसमें सभा में रखे गए विषयों पर चर्चा ना होने चर्चा के दौरान लिंक फेल होने, एक साथ सभी पार्षद लिंक में उपलब्ध ना होने से इस सभा का अर्थ नहीं है। ऐसा आरोप विपक्ष के गटनेता सतीष देशमुख, शकील मंसूरी द्वारा लगाते हुए इसका विरोध किया गया। साथ ही पार्षद लोकेश यादव, पंकज यादव ने भी इस कार्यप्रणाली का विरोध किया आम सभा जैसी महत्वपूर्ण सभा में जब सदस्य चर्चा ही नहीं कर सके तो इसका क्या अर्थ है। जिसका विरोध कर इसकी शिकायत ३०८ के अंतर्गत जिला अधिकारी से की जाएंगी।

मध्यम व लघु प्रकल्पों में जल की स्थिती

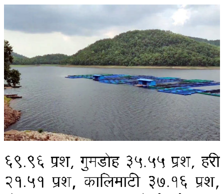

गोंदिया– तालाबों के जिले के नाम से जाने जानेवाले गोंदिया जिले के कटंगी प्रकल्प में शत-प्रश जल संग्रहण है। इसके अलावा ७ मध्यम प्रकल्पों में औसतन ५१.७ प्रश तथा २० लघु प्रकल्पों में औसतन ६२ फिसदी पानी है। आनेवाले बारिश के मौसम में यह जलभंडार नागरिकों की प्यास बुझाएगा या ग्रीष्मकाल में जलसंकट का सामना करना पडेगा फिलहाल इसके बारे में कुछ कह नही जा सकता। सिंचाई विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मध्यम प्रकल्प में आनेवाले बोदलकसा में २६.१९ प्रश, चोरखमारा ३७.४० प्रश, चुलबंद ६६.१४ प्रश, खैरबंधा ३४.४४ प्रश, मानागढ़ २५.५६ प्रश, रेंगेपार ७३.१६ प्रश तथा संग्रामपुर में ४७.१३ प्रश पानी शेष है। लघु प्रकल्प में आनेवाले आक्टीटोला में ७९.२८ प्रश, भदभद्या ३१.७३ प्रश, डोंगरगांव ६९.९६ प्रश, गुमडोह ३५.५५ प्रश, हरी २१.५१ प्रश, कालिमाटी ३७.१६ प्रश, मोगरा ८९.९५ प्रश, नवेगांवबांध ७३ प्रश, पिपरिया ४९.९३ प्रश, पांगडी २९.२९ प्रश, रेहाडी ७५.१३ प्रश, राजोली ३९.१४ प्रश, रिसामा ४९.३६ प्रश, सोनेगाव ४१.५४ प्रश सालेगाव ४३.२५ प्रश, सडेपार ४५.१९ प्रश, सेरपार ६९.६७ प्रश, वडेगांव ६६.४२ प्रश, जुनेवानी ४३.७२ प्रश तथा उमरझरी में ८३.२५ प्रश पानी शेष है। उसी प्रकार जिले के सभी ३८ पुराने माल गुजारी तालाबों एवं प्रकल्प की देखरेख तथा गहराईकरण के कार्य नहीं होने के कारण जल संचय क्षमता दिनोंदिन कम हो रही है। इस वर्ष जिले में पर्याप्त बारिश होने के बावजूद भी जलाशय अभी से खाली हो जाना यह भविष्य के लिए खतरे की घंटी है।

कहां कितना जलस्तर

जिने के अधिकांश सिंचाई प्रकल्पों का जल संग्रहण धीरे-धीरे खाली होने लगा है। लेकिन ऐसी स्थिती में गोरेगांव तहसील के कटंगी प्रकल्प में शत प्रश पानी भरा हुआ होने से क्षेत्र के नागरिकों में खुशी का माहौल है। साथ ही कलपाथरी प्रकल्प संख्या ९७.७१ प्रश, मोगरा में ८९.२६ प्रश पानी भरा हुआ है। जबकि अन्य प्रकल्पों में ५०-५० प्रशही पानी शेष है। ठंड के मौसम में यह स्थिति होने से ग्रीष्मकाल में क्या होंगा। इस प्रकार का प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है।

संपादकिय

संवाद की जरुरत

नए कृषि कानून वापस लेने की मांग को लेकर पिछले चालीस दिनों से देशभर के किसान जिस ताकत के साथ मोर्चे पर डटे हैं, उससे लगता नहीं है कि जल्द ही इस समस्या का कोई समाधान निकलने वाला है। सरकार और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच अब तक वार्ताओं के जितने भी दौर हुए, सब बेनतीजा रहे।

लेकिन अब तक दोनों ही पक्ष जिस तरह से अपनी-अपनी जिद पर अड़े हुए हैं, उससे कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिलता। हठधर्मिता का ऐसा रुख किसी भी तरह से परिपक्वता का परिचायक नहीं कहा जा सकता। सरकार बार-बार स्पष्ट शब्दों में इस बात को दोहरा रही है कि कुछ भी हो, कानून वापस नहीं लिए जाएंगे और न ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी जामा पहनाया जाएगा।

दूसरी ओर किसान संगठनों ने भी ठान लिया है कि जब तक सरकार इन कानूनों को वापस नहीं ले लेती तब तक आंदोलन खत्म करने का सवाल ही नहीं उठता। जैसे-जैसे समय गुजर रहा है, यह गतिरोध गंभीर रुप धारण करता जा रहा है। सरकार के रवैए से खिन्न पंजाब के एक वकील ने हरियाणा के बहादुरगढ़ में जहर खा कर जान दे दी। यह घटना बता रही है कि अगर जल्द ही आंदोलन खत्म नहीं हुआ तो किसान और किसान समर्थक किस सीमा तक जा सकते हैं।

किसान भले अपनी जायज मांगों को लेकर लड़ रहे हों, लेकिन इस आंदोलन को लेकर जिस तरह की राजनीति हो रही है, वह भी गंभीर चिंता की बात है। आए दिन पक्ष-विपक्ष के नेता एक दूसरे पर किसान हितों के साथ खिलवाड़ करने, किसानों को बहकाने और आंदोलन को हवा देने के जो आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं, उनसे यही संदेश जा रहा है कि यह किसानों का आंदोलन कम, राजनीतिक खींचतान ज्यादा है।

किसान संगठन ही आपस में बंट गए हैं। ज्यादातर किसान संगठन नए कृषि कानूनों को जहां किसान हितों के खिलाफ बता रहे हैं, वहीं कुछ किसान संगठन इसके समर्थन में उतर आए हैं। सवाल है कि इन कानूनों को लेकर किसानों के मन में जो भय और आशंकाएं हैं, उन्हें सरकार क्यों नहीं दूर कर पा रही है। अगर सरकार एमएसपी और मंडियों को खत्म नहीं करने का भरोसा लिख कर देने को तैयार है तो क्यों नहीं वह किसानों को यह समझा पा रही है कि एमएमपी को कानूनी जामा पहनाने में अड़चनें क्या हैं।

किसान आंदोलन लंबा खिंचने से आमजन को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली से सटे राज्यों की सीमा पर आवाजाही एक तरह से ठप है। राज्यों के बीच होने वाली सामान आपूर्ति पर असर पड़ा है, कच्चे माल की कमी से दिल्ली की औद्योगिक गतिविधियां ठप पड़ चुकी हैं। किसानों ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवाजाही अवरुद्ध कर रखी है।

अपनी मांगों के लिए आंदोलन करना उचित है, लेकिन आंदोलन से जब आम जनजीवन पर बुरा असर पड़ने लगे तो इसके लिए किसानों के साथ-साथ क्या सरकारें जिम्मेदार नहीं हैं? सरकार और किसान संगठनों को मिल-बैठ कर ही इस समस्या का समाधान निकालना होगा। किसानों की मांगों पर विचार करने के लिए एक समूह बनाए जाने की जरुरत है जिसमें सरकार और किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के अलावा कृषि विशेषज्ञ और विपक्षी दलों के नेता भी शामिल हों और संवाद के जरिए समस्या का हल निकालें। साथ ही, किसानों को भी कानून वापस लेने की जिद छोड़नी होगी। किसी भी समस्या के समाधान का सवोत्तम उपाय तो संवाद ही है, जिसका फिलहाल अभाव देखने को मिल रहा है।

अब पुरे वर्ष भर चलेगा नागपुर का विधान भवन

नागपुर- विधान भवन नागपुर में सोमवार को विधान सचिवालय का स्थायी कक्ष ४ जनवरी २०२१ को प्रतिष्ठित लोगों की उपस्थिति में लागू किया जा रहा है। भौगोलिक रुप से नागपुर देश के मानचित्र के केंद्र में है। महाराष्ट्र की उप-राजधानी नागपुर में वर्ष के ३ सम्मेलनों में से १ रखने की परंपरा जो नागपुर समझौते के तहत शुरु हुई, संसदीय लोकतंत्र की विशेषता बन गई है। इस घटना के अवसर पर यह जानकारीपूर्ण लेख। भारत में संसदीय लोकतंत्र के विकास में महाराष्ट्र का स्थान और योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। महाराष्ट्र विधानमंडल द्वारा पारित कानून और जिनका सामाजिक जीवन में प्रगति के लिए दूरगामी प्रभाव है, संसद द्वारा देश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनाया गया है। रोजगार गारंटी योजना अधिनियम सूचना का अधिकार अधिनियम जैसे उदाहरण इस संबंध में महत्वपूर्ण हैं।

संयुक्त महाराष्ट्र के गठन के अवसर पर मध्य प्रदेश का मराठी भाषी विदर्भ क्षेत्र महाराष्ट्र में शामिल हो गया तभी से लोगों ने नागपुर को राजधानी के रुप में त्याग दिया और महाराष्ट्र में शामिल हो गए। नागपुर समझौता जो २८ सितंबर १९५३ को लागू हुआ ने सुनिश्चित किया कि सरकारी कार्यालय को आधिकारिक अवधि के लिए नागपुर में स्थानांतरित कर दिया जाएगा और राज्य विधानमंडल का एक सत्र हर साल नागपुर में आयोजित किया जाएगा। इस प्रकार दो स्थानों में विधायिका के सत्र पिछले कई वर्षों से भारत में केवल दो राज्यों में आयोजित किए गए हैं। १) महाराष्ट्र २) जम्मू और कश्मीर २०१९ में जम्मू और कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश बन गए हैं। इसके सिवा ३) २०१२ में कर्नाटक में बेलगांव में सुवर्ण विधानसभा नामक एक नई इमारत का निर्माण किया गया जहां विधानसभा का शीतकालीन सत्र आयोजित होता है। नागपुर समझौते के अनुसार महाराष्ट्र विधान सभा का एक सत्र राजधानी नागपुर में १९६० के बाद से नागपुर में आयोजित किया गया है। कुछ अपवादों के साथ, नागपुर समझौते के तहत लागू प्रणाली पूरे जोरों पर है। महाराष्ट्र राज्य की स्थापना के बाद नागपुर में नहीं होने वाले सम्मेलनों की संख्या पांच है। उनके वर्ष और कारण निम्नलिखित नुसार-

१. १९६२- भारत-चीन युद्ध नागपुर में अधिवेशन को रोकता है।
२. १९६३ - तत्कालीन मुख्यमंत्री मरोत्रो कन्नमवार की २४ नवंबर, १९६३ को की मृत्यु के कारण, नागपुर में अधिवेशन नहीं हो सका।
३. १९ डीयुई लोकसभा चुनाव की घोषणा के कारण इस वर्ष नागपुर में अधिवेशन नहीं हो सका।

१९ द फाईव- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन २ दिसंबर १ मुंबई ५ को मुंबई में हुआ था। इस वर्ष नागपुर में अधिवेशन नहीं हो सका क्योंकि इसके शताब्दी समारोह मुंबई में आयोजित किए गए थे। हालांकि, १९८६ में, ३ के बजाय ४ सम्मेलन आयोजित किए गए जिनमें से दो सम्मेलन जनवरी १९८६ और नवंबर, १९८६ में नागपुर में आयोजित किए गए थे। इन दोनों सम्मेलनों की बैठकों की संख्या प्रत्येक १५ दिन थी।

२०२० वैश्विक महामारी कोरोना (कोविड-१९) के कारण, अधिवेशन नागपुर में नहीं हो सका। उपरोक्त पांच अपवादों को छोड़कर १९६० से राजधानी नागपुर में प्रतिवर्ष सम्मेलन आयोजित किया जाता रहा है। इसमें नागपुर में ४ मानसून सम्मेलन भी शामिल हैं। (१९६१, १९६६, १९७१ और हाल ही में जुलाई, २०१८) एक विशाल मराठी भाषी राज्य और नागपुर समझौते के निर्माण पर बोलते हुए पहले मुख्यमंत्री और आधुनिक महाराष्ट्र के मूर्तिकार यशवंतरावजी चव्हाण ने भावनात्मक एकता के महत्व पर जोर दिया था। नागपुर में अधिवेशन आयोजित करने की लागत के मुद्दों की आलोचना की गई है। लेकिन सम्मेलन ने भावनात्मक एकता के बंधन को मजबूत किया है और विदर्भ में मुद्दों को संबोधित करने और सम्मेलन के दौरान विकास योजनाओं को गति देने में मदद की है। आप पिछले सत्रों की कार्यवाही से देखेंगे कि नागपुर सत्र में विधानसभा के दोनों सदनों में विदर्भ मुद्दों, विकास, योजनाओं, ध्यान-हथियाने-प्रस्तावों-आधे-घंटे की चर्चाओं-अनौपचारिक प्रस्तावों- औचित्य- स्थगन प्रस्तावों जैसे विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श हुआ था। नागपुर कन्वेंशन के दौरान दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी विदर्भ और माननीय सदस्यों से संबंधित मुद्दो को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पिछले ६० वर्षों में विदर्भ के मद्दों के साथ-साथ राज्य में महत्वपूर्ण मुद्दे लक्ष्य, कानून पारित होने के संदर्भ में नागपुर में सम्मेलन हमेशा महत्वपूर्ण और अद्वितीय रहे हैं। कृष्णा-गोदावरी जल के आवंटन पर प्रस्ताव, लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के लिए प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा भरी जाने वाली कुल सीटों में से एक तिहाई से कम सीटें आरक्षित करने का प्रस्ताव, वन संरक्षण अधिनियम, मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम १९९४ में संशोधन का प्रस्ताव, माननीय राष्ट्रपति डॉ. भारत रत्न द्वारा सभी समूह नेताओं की बैठक के बाद इस संबंध में सदन द्वारा महाराष्ट्र -कर्नाटक सीमा मुद्दों का प्रस्ताव पारित किया गया। बाबासाहेब आंबेडकर को भव्य स्मारक बनाने के लिए एनटीसी केंद्र सरकार द्वारा मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को साढ़े १२ एकड़ भूमि आवंटित करने का एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया गया था। रेलवे स्टेशन, एल्फिस्टन रोड का नाम बदलकर (भादेवी) कर देना चाहिए।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । - सम्पादक

योग का परिचय

योगाचार्य नरेन्द्र आर्य

प्रिय पाठकगण पिछले सप्ताह में हमने यम का पहला अंग देखा अहिंसा इस प्रकार योगी जब अहिंसा में प्रतिष्ठत अर्थात पूणतिया पालन करने लगता है। तब योगी के संपर्क में आने पर प्रत्येक प्राणी भी उससे बैर त्याग देता है। और अहिंसक हो जाता है। जिसका वर्णन महर्षि ने इस प्रकार किया है।

अहिंसा प्रतिष्ठायां तत्सत्निधौ वैरत्याग:

प.यो.मू. २/३५

अर्थात अहिंसा प्रतिष्ठित हो जाने पर योगी के निकट हिंसक प्राणी चाहे वो मनुष्य अथवा पशु आदि हो वैरत्याग कर मित्रवृत हो जाता है। योगी को अभयता प्राप्त हो जाती है।

दुसरा अंग है सत्य: सत्य का अर्थ है जो पदार्थ जैसा उसको वैसा ही जानना और कहना सत्य कहलाता है। इंद्रियों और मन से जैसा देखा वैसा ही दुसरों के समक्ष प्रगट करते समय मन और वाणी से प्रगट करना ही सत्य कहलाता है। शास्त्रों में बताया गया है।

सत्यं ब्रुयात प्रियं ब्रुयात नसत्यम प्रियम।

अर्थात सदा सत्य बोले, प्रिय बोले ऐसा वचन न बोले कि सुनने में कटु हो, अप्रिय हो ऐसा सत्य न बोले जैसे नेत्रहिन को अंधा कह देना सत्य है। परंतु अप्रिय कटु सत्य है। इसलिए हमारे प्रधानमंत्री जी ने विकलांग को एक नया शब्द दिया है, दिव्यांग जो सत्य और मधुर भी है।

मन्डुकोपनिषद कहता है

सत्यमेवजयते नानृतं।

अर्थात सत्य की जीत होती है असत्य की नहीं, योग साधक को सत्य का तीन प्रकार से पालन करना चाहिए। जैसा की वेदों में कहा गया है मानसिक सत्य, वाचिक सत्य, कायिक सत्य,

मानसिक सत्य-

लोभ,मोह,काम,क्रोध आदि से रहित हुआ मन शुद्ध मन से तथा वाणी से व्यवहार करना मानसिक सत्य है।

वाचिक सत्य-

अहंकार क्रोध के वशीभूत होकर बोले जानेवाले असत्य वचनों को त्याग कर सत्य एवं मधुरवाणी का प्रयोग करना वाचिक सत्य है। सत्य के साथ-साथ वेदों में भी प्रियवाणी, मधुर वाणी का प्रयोग पर बल दिया गया है। वाणी से सत्य भाषण करने पर जब अमोघ शक्ति प्राप्त होती है। वही अंत में ब्रम्ह प्राप्ती में सहायक है। जिसका वर्णन ऋग्वेद में है।

कृतं येमान कृतमिद वनोत्य् तस्य शुष्मस्तुरया उगव्यु।

कृगवेद ४/२३/१०

कायिक सत्य- मन एवं वाणी के अनुरुप सत्याचरण करना कायिक सत्य है। काया अर्थात शरीर के द्वारा सत्य धर्म युक्त कार्यों को करना ही सत्यआचरण कहलाता है। माता- पिता सदा हि अपनी संतान को सदाचार की शिक्षा दे, इस प्रकार सत्य का मन, वचन, कर्म से पालन करनेवाला मनुष्य साधना के पथ पर आगे बढ़ता है। सत्य की प्रतिष्ठता होने पर उसके फल के बारे में महर्षि पतंजलि कहते है-

सत्यप्रतिष्ठायां
क्रियाफलाश्रयत्वम्।

प.यो.स. २/३६

सत्य की प्रतिष्ठता होने पर वाणी और विचारों में क्रिया फलदानकी शक्ति उत्पन्न हो जाती है। वो जो कुछा भी बोलता है वह होने लग जाता है। उसकी वाणी में अमोघ शक्ति आ जाती है। इसलिए शास्त्रों में कहा है

सत्यमेव परं ब्रम्ह सत्यमेव परं तप:
सत्यमेव परो यज्ञ: सत्यमेव परं श्रुतम्।।

सत्य ही परब्रम्ह है, सत्य ही परम तप है। सत्य ही परम यज्ञ है और सत्य ही सर्वश्रेष्ठ शास्त्र है। ईश्वर का एक नाम सत्य भी है। जो तीनों कालो में कभी भी लोप नही होता, नष्ट नही होता।

अस्तेय- यमो में तीसरा स्थान है अस्तेय का अर्थ है स्वामी की आज्ञा के बिना अनाधिकृत पदार्थ को अपना लेना या गृहण कर लेना, मन, वचन, कर्म से पर द्रव्य के प्रति लालच की प्रवृत्ती का त्याग कर देना है। बिना आज्ञा के किसी कि वस्तू लेने से जो उस मनुष्य को कष्ट होता है, वह भी एक प्रकार की हिंसा है, चोरी है। व्यास भाष्य में महर्षि व्यास जी कहते है

स्तेयमशस्त्रपर्वकं द्रव्याणां परत: स्वीकरणं
तत्प्रतिषेध: पुनरस्पृहा रुपमस्तेयमिति।।

-यो व्यास भाष्य २/३०

अर्थात: किसी दुसरे के द्रव्यों को लेना स्तेय है तथा इसके विपरित उन वस्तुओं में किसी प्रकार का राग न होना, परद्रव्य में राग का प्रतिरोध ही अस्तेय् है। अस्तेय की सिद्धी के विषय में महर्षि पतंजलि ने कहा है-

अस्तेय प्रतिष्ठायां, सर्वरत्नोंपस्था नम्।।

पा.यो.सू. २/३७

अस्तेय का पालन करने पर सभी प्रकार के द्रव्य पदार्थ रत्न आदि बिना इच्छा के प्राप्त होने लगते है। उस मनुष्य को किसी भी प्रकार के धन, रत्न का प्रभाव नहीं होता। श्रीमदभगवद गीता में श्री कृष्ण जी कहते है-

अनन्याष्चिन्तयन्तो मा ये जना: पर्युपासते।
तेशां नित्याभियुक्तानां योगश्रेम वहाम्यहम्।।

गीता ९/२२

अर्थात: जो उपासक परमात्मा को अनन्य भक्ती भाव से भजते है। वो इच्छा का त्याग और आसक्ंित राहित जीते है। निरंतर ध्यान और चिंतन करते रहते है। इन भक्तों का मैं स्वयं वहन करता हुं। इस प्रकार पर द्रव्य की इच्छा न रखनेवाले अस्तेय प्रतिष्ठीत पुरुषों को किसी प्रकार के भौतिक सुख सूविधाओं का कदापि अभाव नही रहता। वह वस्तु उनकी इच्छा से पूर्ण उपलब्ध होती है।

जीवन का आनंद

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

देखा जाए तो हमारा सारा जीवन ही आनंद से सराबोर है, पर क्या हमने कभी इस आनंद को महसूस किया है? यदि हमारे इस सवाल के प्रतिउत्तर में हमारे हृदय से आवाज आती है कि, **भला सम्पूर्ण जीवन में जीवन आनंद की अनुभूति केसे की जा सकती है?** यह सुनाई देता है तो यकीन मानिए कहीं न कहीं हमारी सोच नकारात्मक बन चुकी है।

साथियों जीवन में हर तरफ आनंद के पल बिखरे हुए होते है, बस जरुरत हमें उन पलों को देखने की है। आज के इस आपाधापी वाले जीवन में इंसान अपनी उलझनो में ही घिरा हुआ है। इस कारण से वह चाह कर भी आनंद को महसूस ही नहीं कर पाता है। हमने अक्सर छोटे बच्चों को **गुब्बारे** से खेलते हुए देखा ही होगा, इस खेल में उन्हें अपार आनंद की प्राप्ति होती है। कुछ समय के पश्चात् यदि किसी बच्चे का गुब्बारा फूट जाता है तो कोई बच्चा तो गुब्बारे के फटने पर रोने लगता है और कोई बालक हंसता ही रहता है, क्योंकि वह बच्चा गुब्बारे के फूटने की आवाज सुनकर भी बहुत खुश हो जाता है और बार-बार इस खुशी को महसूस करने के लिए फूले हुए गुब्बारे को जानबूझकर भी फोड़कर उसकी आवाज में खुशी महसूस करने का प्रयास करने लगता है।

क्या हमारी सोच उस दूसरे छोटे से बच्चे है से भी छोटी हो गई है? क्या हम उस छोटे से बच्चे से हर हाल में खुश रहने की कला नहीं सीख सकते? हमेशा एक बात का ध्यान रखना चाहिए कि जो दिन हमारा आनन्द से बीत जाए वही हमारी कमाई किए गए यादगार पल है अन्यथा जिंदगी तो अपनी रफ्तार से व्यतीत हो ही रही है, समय किसी के लिए न ठहरा है और न ही ठहरेगा। हर गुजरने वाले दिन के साथ हमारे जीवन के शेष दिन घटते ही जाएंगे। हमारी आयु तो बढ़ेगी पर उम्र कहीं पीछे छूटती जाएगी।

हर गुजरे हुए दिन के साथ हम बड़े नहीं होते, बल्कि हमारे जिंदा रहने के दिन कम होते जाते है, तो फिर क्यों नहीं हम जिंदादिल बनें और अपने हर दिन के आनन्द को महसूस करना सीख लें।

इसलिए आईये हम सभी छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करें और एक सकारात्मक सोच के साथ अपने इस अमूल्य जीवन के सफर का आनंद लें...

साप्ताहिक राशिफल

मेष : प्रापर्टी संबंधित बिजनेस में निवेश फायदेमंद होगा। चतुराई और तीव्र आकलन की क्षमता के बल पर औरों से चार कदम आगे रहेंगे। पुलिस या फौज में कार्यरत जातकों के लिए मान-सम्मान बढ़ेगा। बिना समझे-बूझे किसी व्यावसायिक, कानूनी दस्तावेज पर हस्ताक्षर न करें।

वृषभ : सीनियर्स की उम्मीदों पर खरा उतरने की जिम्मेदारी है। जिस पर आपकी तरक्की निर्भर करेगी। बकाया धन की उगाही में कुछ और समय लगगा। बच्चों को आपसे मार्गदर्शन व सहयोग की जरुरत होगी। जो जातक छुट्टियों पर हैं, वे अपनी छुट्टियां बढ़ाने के बारे में सोचेंगे।

मिथुन : व्यावसायिक परिस्थितियां सामान्य बनी रहेंगी। घरेलू जीवन संतोषजनक बना रहेगा। शारीरिक कष्ट झेल रहे जातकों को राहत मिलेगी। कारोबारियों को मुनाफेदार डील मिल सकती है। पुराने प्रेमी से अचानक मुलाकात हो सकती है। धार्मिक स्थल की यात्रा के संकेत हैं।

कर्क : कार्यक्षेत्र में योजनाएं फलीभूत होंगी। प्रापर्टी में निवेश करने का विचार त्याग दें। किसी बात को लेकर अपनी जिद पर अड़े रह सकते हैं। काम ज्यादा होने के कारण लव लाइफ पर नेगेटिव असर पड़ेगा। कॉमर्स के छात्रों को ज्यादा ही मेहनत करनी पड़ सकती है।

सिंह : आपको अपने खिलाफ होने वाली साजिश का पुनर्भास हो सकता है। सावधान रहें। परिवार में धन को लेकर झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। राय देते हुए सही शब्दों का प्रयोग करें ताकि सुनने वाले को सही सलाह भी मिल जाए और बुरा भी न लगे।

कन्या : शहर से बाहर यात्रा करना तकलीफदेह होगा। कार्यक्षेत्र में बदला लेने की भावना प्रबल रहेगी। इस दौरान आप सभी पारिवारिक कर्जे खत्म करने में कामयाब रहेंगे। बिजनेस में धन समृद्धि का समय है। बीमार जातकों का इलाज सफल होगा। प्रापर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुंचाएंगे।

तुला : घर में पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। आपका सामाजिक दायरा बढ़ता जा रहा है। छात्रों के प्रयासों की तारीफ होगी। रिश्तों में भावनाओं को जिंदा रखें। सुनिश्चित करें कि आपकी योजनाएं यथार्थवादी हों। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का-फुल्का और खुशनुमा बना देगा।

वृश्चिक : आपकी कार्यकुशलता आपको सहकर्मियों से आगे रखेगी। परिवार वालों की मदद से कारोबार के विस्तार के मौके मिल सकते हैं। पारिवारिक व सामाजिक जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें। कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग पर छा सकता है।

धनु : करियर के प्रति गंभीरता अपनाने की हिदायत दी जाती है। अपनों के प्यार व सहयोग से आपका खोया आत्मविश्वास दोबारा जाग उठेगा। स्टॉक मार्केट में धन लगाते हुए सावधान रहें। रोमांटिक संबंध मजबूत होता दिख रहा है। आर्थिक परेशानियों के चलते आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मकर : जो भी मौके मिलें, उनका प्रयोग अपनी पूरी क्षमता के साथ करें। आर्थिक संकट का दौर बना रह सकता है। आप इस मुश्किल वक्त से भी पार पा ही लेंगे। सर्विस सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए मुश्किल समय है। उनका पाला अड़ियल ग्राहकों से पड़ सकता है। पढ़ने और कुछ नया सीखने में रुचि लेंगे।

कुंभ : दोगले न बनें, इससे आपकी छवि बिगड़ सकती है। मीडिया या एडवरटाइजिंग से जुड़े लोगों को आगे बढ़ने के सुनहरे मौके मिलेंगे। आपको कोई अच्छी खबर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जरुरत से ज्यादा खर्चा न करें।

मीन : कारोबारियों के लिए फायदेमंद डील मिलने के योग हैं। आप हर कॉम्पिटिटर को मात देने में सफल रहेंगे। खुला खर्चा करने से बचें। कार्यक्षेत्र में आपकी धाक जमेगी और आपके अधिकारों में वृद्धि भी होगी तथा आपको पदोन्नति मिल सकती है। पुराना प्रेम उभरने के कारण फिर से वाद-विवाद हो सकता है। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें।

छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा की अवमानना मामले में दोषियों पर कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी

गोंदिया जिले के ग्राम सौंदड़ ग्राम पंचायत की पुरानी इमारत के निर्माण कार्य के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की अवमानना किए जाने का मामला २० दिसंबर २०२० को सामने आया था। जिसकी शिकायत डुग्गीपार पुलिस थाने में कर सरपंच गायत्री इरले, सचिव आर.डी. देशमुख, ठेकेदार रोशन शिवनकर के खिलाफ दर्ज कराया गया था। लेकिन उपरोक्त मामले में राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते दोषियों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की जा रही है। तथा उन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में जब दोषियो पर कार्रवाई न होने की जानकारी पुलिस निरीक्षक सचिन वागडे से ग्राम पंचायत सदस्य व ग्राम के सम्मानित नागरिक जानकारी लेने गए तो अभद्र व्यवहार किया गया।

इस मामले में जल्द ही कार्रवाई नहीं होने पर सौंदड़ ग्रामवासियों द्वारा राष्ट्रीय महामार्ग-६ पर रास्ता रोको आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जवाबदारी प्रशासन की होगी। इस प्रकार की जानकारी ४ दिसंबर को गोंदिया में आयोजित पत्र परिषद में ग्रामवासियों द्वारा दी गई। साथ ही राज्य के मुख्यमंत्री, गृहमंत्री के नाम पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

आयोजित पत्र परिषद के अवसर पर राजू पटेल, मनोज डूंबरे, विशाल उजवने, राजा गुरबेले, किशोर मदनकर, सदाशिव विठ्ठले, महेश डूंगरे, वर्षा मालदे, दिनेश सोनटक्के, बबलू महारवाडे, प्रभाबाई सहित ग्राम सौंदड़ के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

डॉ. अक्षत अग्रवाल ने की नन्हें बच्चे के दांतो की सफल सर्जर

गोंदिया- केवल १८ माह की बालिका को पूर्णत बेहोश करके उसके कई दांतो का उपचार शल्यक्रिया द्वारा करने का किर्तमान गोंदिया क्षेत्र बाल दंत चिकित्सक डॉ. अक्षत अग्रवाल ने बनया है। विशेष उल्लेखनिय है कि डॉ. अक्षत अग्रवाल पूर्वी विदर्भ के एकमात्र बाल दंत रोग विशेषज्ञ है। विगत दिनों डॉ. अग्रवाल के ऑपरेशन थियेटर में बालरोगतज्ञ डॉ. पियुष जायसवाल सुंघानी विशेषज्ञ डॉ. कोतवाल तथा दांत रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनल अग्रवाल की मद्द से उपरोक्त सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। डॉ. अक्षत अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि उम्र के एक वर्ष बाद बच्चों को दांत में बिमारियां प्रारंभ हो जाती है। मां द्वारा ज्यादा स्तनपान कराने तथा रात्री के समय में ज्यादा दुध पिलाने से भी बिमारियां हो सकती है। एक रिसर्च के उदाहरणनुसार बताया गया कि एक वर्ष से अधिक आयु के बच्चे को यदि एक दिन में सात बार से अधिक स्तनपान कराया जाए तो बच्चो के दांत में सडन पैदा होने की संभावना बढ़ जाती है। उल्लेखनिय है कि दुध के दांतो का दर्द एवं इनमें होनेवाली बिमारियों को नजरअंदाज किया जाता है। जबकि इसका पुरा उपचार करवाना चाहिए ताकि आनेवाले दांतो का संरक्षण किया जा सके। बच्चो की आयु कम होने से वे इलाज में सहयोग नहीं करते। इस हेतु उन्हें बेहोश करके ही उपचार करना उत्तम उपाए है। इस शल्य क्रिया की किड्स डेंटल सेंटर के संचालक डॉ. अक्षत अग्रवाल द्वार विशेष प्रशिक्षण लिया गया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं इंडियन डेंटल एसोसिएशन के डॉक्टर सदस्यों ने डॉ. अक्षत अग्रवाल को बधाई दी। संभवत यह रिकार्ड बनेगा कि दांतो के उपचार के लिए सबसे कम उम्र की बच्ची को बेहोश किया गया।

गया-चेन्नई ट्रेन गोंदिया स्टेशन में पहुंचने पर पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन के मार्गदर्शन में रेल मित्र व पदाधिकारियों ने किया स्वागत

गोंदिया। सासंद प्रफुल पटेल के प्रयासों से २३ साल बाद ब्रॉडगेज लाईन पर दौड़ते हुए पहली बार जबलपुर होते हुए ३ जनवरी को गोंदिया जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पहुंची गया-चेन्नई स्पेशल एक्सप्रेस ट्रैन का पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन के मार्गदर्शन में रेल मित्र व पदाधिकारियों द्वारा जोरदार स्वागत कर हर्ष व्यक्त किया गया। रेल मित्र व पदाधिकारियों ने ट्रेन के प्रथम गोंदिया आगमण पर ट्रेन के लोको पायलट अनवर अली, एस. एम. मीणा एवं गार्ड को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान अन्य यात्रियों ने भी इस स्वागत पर हर्ष व्यक्त किया।

गौरतलब है कि, कोरोना संकट के चलते किसी भी तरह के समारोह कर भीड़ एकत्रित करने पर पाबंदी है। इसी का खास ख्याल रखते हुए गया-चेन्नई ट्रेन के प्रथम आगमन पर किसी भी तरह का स्वागत कार्यक्रम आयोजित नही किया।

इस दौरान राष्ट्रवादी के शहर अध्यक्ष अशोक सहारे, सुनील पटले, राजेश दवे, गुड्डू बिसेन, महेश करीयार, लव माटे, नागों बंसोड़, दर्पण वानखेड़े, संजू रहांगडाले व राष्ट्रवादी के पदाधिकारी तथा अन्य रेल मित्र उपस्थित थे।

रक्तदान कर दाखिल किया आवेदन

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- रक्तदान का महान कार्य कर तहसील के ग्राम इंझोरी में दिपक हिरामण उके ने बोरटोला/ ईझोरी गटपंचायत में प्रभाग क्रमांक १ के लिए उम्मीद्वारी का आवेदन ३० दिसंबर को प्रस्तुत किया। दिपक हिरामण उके ने अब तक २८ मर्तबा विभिन्न शासकीय चिकित्सालयों तथा रक्तदान शिविर में राष्ट्रीय कर्तव्य मानते हुए रक्तदान किया है तथा १६ वर्ष की आयु से ही रक्तदान करना शुरु कर दिया। जिसके चलते कई जरुरतमंद लोगो को सहायता मिली है। उसी प्रकार उन्होने ३० दिसंबर को गंगाबाई चिकित्सालय में रक्तदान कर बोरटोला/इंझोरी गट ग्रामपंचायत प्रभाग क्रमांक १ हेतु आवेदन प्रस्तुत किया।

लोककला व पथनाट्य के चयन के लिए करे आवेदन

गोंदिया- सूचना एवं जनसंपर्क महानिदेशालय की ओर से सभी आम लोगो को शासन द्वारा शुरु की गई योजना की जानकारि पहुंचाने के लिए इसके पूर्व लोककला और पथनाट्य प्रस्तुत करनेवाली संस्था की जिलानिहाय चयनसूची की मुद्दत २० दिसंबर २०२० को समाप्त हो गई है। नई सूची तैयार करने के लिए संबंधित जिलो में संबंधित स्थानों से आवेदन प्रस्तुत किए जा रहे है। संबंधित संस्थान द्वारा १ जनवरी से लेकर २१ जनवरी तक इस हेतु आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है। संबंधित संस्थानों को उपरोक्त आवेदन जिला महिती कार्यालय में प्रस्तुत करने की अपील जिला महिती अधिकारी रवि गिते द्वारा की गई है। गोंदिया जिले में लोककला/ पथनाट्य द्वारा जानकारी देने का उदाहरणार्थ गणगवलण, अभंग, पोवाडे, वगनाट्य बहुरुपी, भारुड, पथनाट्य पथक की चयनसूची तैयार की जा रही है। इस हेतु क्षेत्र की अनुभवी संस्था द्वारा ही आवेदन लिया जा रहा है। वहीं मंडली संगठनों को विविध विषयों पर (सरकारी योजनओं) सहित पथनाट्य करने का अनुभव होना अनिवार्य है। संगठन में कम से कम १० लोगो को समावेश होना चाहिए। इच्छुक संगठन आवेदन पत्र और सूचना के साथ जिला सूचना कार्यालय से संपर्क कर सकते है।

५.८८ लाख की प्रतिबंधित सुगंधित तंबाखू जप्त

अन्न औषधि विभाग की कार्रवाई

गोंदिया – महाराष्ट्र में सुगंधित तंबाखू को प्रतिबंध किया गया है लेकिन इसके बावजूद शहर में बड़े पैमाने पर इसकी बिक्री हो रही है। जिस पर अन्न व औषधि विभाग द्वारा दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर ५ लाख ८८८ हजार ७० रुपए की प्रतिबंधित सुगंध तंबाखू जप्त की पहली कार्रवाई चूड़ामण चौक, सावरा टोली, सिंधी स्कूल के समीप स्थित गोदाम पर छापामार कार्रवाई कर प्रीमियम क्वालिटी एम.के. टोबैको, रिमझिम टोबैको, दबंग टोबैको, पानबहार मसाला कुल वजन ५९१.६ किलो जिसकी कीमत दो लाख ६८ हजार ५५० रुपए जप्त कर आरोपी के खिलाफ फरियादी अन्न सुरक्षा अधिकारी पीयूष मानवटकर की शिकायत पर शहर पुलिस थाने में अन्न सुरक्षा कानून की धारा ३१ जेड ३ व विभिन्न सहायक धाराओं तथा अन्य सुरक्षा कानून २०११ की धारा ३ व ४ तथा भादवि की धारा १८८, २७२, २७३, ३२८ के तहत दर्ज किया गया। जिसकी जांच सहायक पुलिस निरीक्षक मोरे कर रहे।

दूसरा मामला शंकर चौक निवासी ३८ वर्षीय आरोपी के गौतम नगर स्थित गोदाम में छापामार कार्रवाई कर सुगंधित तंबाखू जिसकी कुल कीमत २ लाख ३९ हजार ५२० रुपए की जप्त की। मामले में फरियादी अन्य व सुरक्षा अधिकारी गोपाल नंदनवार की शिकायत शहर पुलिस थाने में उपरोक्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। जिसकी जांच सहायक पुलिस निरीक्षक सपाटे द्वारा की जा रही है।

सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- दिनांक ३ जनवरी रविवार को स्वर्गीय बापू घाट बांधे हॉईस्कूल दिनकर नगर में क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर विविध स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष बुरडे ने सावित्रीबाई फुले के जीवन में प्रकाश डाला। आयोजित की गई स्पर्धा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया।

संवाददाता बिरसी- भारतीय बौद्ध महासभा सर्कल शाखा कामठा व महिला संगठन ग्राम बिरसी के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम बिरसी में ३ जनवरी को सावित्रीबाई फुले की जयंती का कार्यक्रम व भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस कार्यक्रम महाबोधी विहार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा ग्राम सभा के अध्यक्ष दीपक वंजारी ने की कार्यक्रम की शुरुवात में प्रज्ञा शील करुणा जैसे मानवीय मूल्यों की स्थापना करने वाले महाकारुणी तथागत भगवान गौतम बुध व बोधिसत्व परम पूज्य डॉक्टर बाबासाहेब आंबेडकर एवं क्रांतीज्योती सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर त्रिशरण पंचशील भीम स्मरण भीम स्तुति करने के पश्चात कार्यक्रम की शुरुवात की गई। इस अवसर पर प्रमुख रुप से तहसील के महासचिव कोमलकुमार नंदागवली, तहसील उपाध्यक्ष मनोहर भावे, नरेंद्र बोरकर, सर्कल अध्यक्ष योगीराज वंजारी, सर्कल उपाध्यक्ष नरेंद्र गजभिए, कार्यालयीन सचिव विजय मेश्राम, रोशन मेश्राम आदि उपस्थित थे।

संवाददाता खातिया- ग्राम मुंडीपार एमआयडीसी में समर्थ ग्राम संघ तथा पीपल्स वेल्फेयर मल्टिपर्पज सोसायटी की ओर से ३ जनवरी को जिप शाला क्रांती ज्योति सावित्रीबाई फुले की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम के मार्गदर्शक चेतना रामटेककर ने सावित्रीबाई द्वारा किए गए संघर्ष तथा उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो में प्रकाश डाला। उसी प्रकार कार्यक्रम की अध्यक्षा इच्छा जांभुलकर तथा अनिल कुमार डोंगरे की ओर से भी सावित्रीबाई के जीवन में प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर सुशीला मेंढे, प्रेमलता मांडिये, रंजना संस्कार तथा भावना सुलाखे, अंजुमन डोंगरे, रेखा मेश्राम, पुस्तकला चोखान्दे, अंकमाला लांजेवार, सुभवती बावने, हेमकांता डोहरे, सारिका डोंगरे, निशा नागपुरे, रजनी मेंढे व सभी महिला बचत गट की महिलाएं उपसिथत थी। कार्यक्रम का संचालन व आभार अजयकुमार गजभिये की ओर से किया

गोंदिया- ३ जनवरी को पुलिस अधिक्षक कार्यालय गोंदिया में पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे के हस्ते सावित्री बाई फुले के छायचित्र पर माल्यर्पण कर अभिवादन व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिक्षक के साथ पुलिस निरीक्षक तथा अति.कार्य पुलिस उपअधिक्षक तेजस्वनी कदम, पुलिस निरीक्षक उद्धव डमाले, सहायक पुलिस निरीक्षक अरविंद राऊत उपस्थित थे।

नववर्ष पर मिलन समारोह का आयोजन

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- छात्रों के बिना स्कूल का विचार अधूरा लगता है। कोरोना काल के दौरान छात्र और शिक्षक के बीच की दूरी २०२१ में कुछ हद तक कम होती दिखाई दे रही है। इस अवधि के दौरान भी शिक्षकों ने अपने कर्तव्यों को नहीं छोड़ा तथा ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से इस प्रक्रिया को जारी रखा गया था। उसी प्रकार प्रधानाचार्य अनिल कुमार मंत्री ने विचार व्यक्त किया कि छात्रों को हमेशा अपनी प्रगति के लिए दीपक की तरह चमकना चाहिए। वे सरस्वती विद्यालय और जूनियर कॉलेज, सरस्वती ज्ञानदीप कॉनवेंट व जीएमबी विद्यालय और जूनियर कॉलेज में आयोजित नए साल के स्वागत समारोह में अध्यक्ष के रुप में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर जीएमबी कनिष्ठ महाविद्यालय प्राचार्य विना नानोटी, पर्यवेक्षिका छाया घाटे, जीएमबी विद्यालय के पर्यवेक्षक मुकेश शेंडे, मुख्याध्यापक हरिदास गहाणे, सरिता शुक्ला, जुगल किशोर राठी आदि उपस्थित थे तथा उनके द्वारा अपने विचार भी कार्यक्रम में व्यक्त किए गए। संचालन तथा आभार प्रदर्शन विष्णु चाचेरे ने किया। कार्यक्रम की सफलता के लिए शिक्षक व कर्मचारियों द्वारा अथक प्रयास किया गया।

लायंस कल्ब गोंदिया सिविल ने की कैंसर पीडित की सहायता

गोंदिया- स्थानिय गोंविदपूर गोंदिया निवासी लिव्यांश ६ वर्षीय बच्चे को मुंह का कैंसर हुआ था। जिसके चलते उसके पिता मनोज मटाले ने झोन चेयरपर्सन दीलीप चौरागडे को मिले व मद्द की गूहार लगायी रिझन चेयरपर्सन दीपक कदम व अध्यक्ष शैलेंद्र मिश्रा ने सिव्हिल क्लब के सभी सदस्य को निवेदन किया व सभी सदस्यों ने मद्द की तथा १०००० रुपए का चेक बच्चे के पिताजी को सहायता के रुप में दिया। इस बच्चे का इलाज नागपूर के नेशनल कैंसर चिकित्सालय में हो रहा है। जहां लायन परिवार की ओर से सहयोग प्रदान किया जा रहा है तथा बालक जल्द से जल्द स्वस्थ्य होकर लौटे इस हेतु दुआ प्रार्थना की गई।

युवा खिलाड़ियों को नि:शुल्क क्रिकेट प्रशिक्षण

गोंदिया- गोंदिया तहसील क्रिकेट असोसिएशन जी.डी.सी., एम.सी.सी. क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एक माह नि:शुल्क क्रिकेट कोचिंग कैंप में नागपुर के मजमुदार एकॉडमी के कोच मंगेश भोयर (विदर्भ प्लेयर) प्रशिक्षण दे रहे हैं। इंदिरागांधी स्टेडियम में प्रारंभ कोचिंग कैंप प्रतिदिन सुबह ६.३० से ८.३० तथा दोपहर ३ से ६ बजे तक आयोजित किया गया है। कोचिंग कैंप में राजे चौहान एकॉडमी भिलाई के कोच द्वारा भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। गोंदिया के सीनियर कोच मुकेश बाराई, राजु लिमये, अनिल सहारे, नरसिंग गदरवार, मोनू सावंत, कार्तिक तुरकर, कुणाल तांडेकर द्वारा भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गोंदिया जिले के सभी खिलाड़ियों (युवक-युवतियों) को प्रशिक्षण में भाग लेने की अपील दीपम पटेल अध्यक्ष जी.डी.सी.ए. पुष्पक जसानी, सुनिल धोटे, अजय गौर, डॉ. अमित बुद्धे, रवि आर्य, अमृत इंगले, गजेंद्र फुंडे, विजय बहेकार शिशिर अग्रवाल व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सक्षिप्त समाचार

सुने मकान में चोरी

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत चित्रगुप्त कॉलोनी ग्रेन मार्केट के सामने गणेश नगर गोंदिया निवासी फर्यादी काजल मधुकरराव पंच (३२) अपने घर का दरवाजा लगाकर सब्जी खरीदने बाजार गई थी। इसी दौरान अज्ञात चोरो घर के भीतर प्रवेश कर लॅपटॉप, चार्जर तथा पेन ड्राईव मिलाकर कुल २० हजार ३०० रुपए का माल लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा ३८० के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कार्यालय के सामने से बाईक चोरी

शहर पुलिस थाना अंतर्गत गणेशनगर निवासी फर्यादी राम शंकरलाल अग्रवाल (३५) ने अपने कार्यालय के सामने एक्टिवा क्रमांक एमएच ३५ एएफ ५५४५ को खड़ा रखा था। इसी दौरान अज्ञात आरोपी वाहन लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर धारा ३८० के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सड़क दुर्घटना में मृत्यु

देवरी थाना अंतर्गत ग्राम सहाकेपार में १ जनवरी को सड़क दुर्घटना में अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। सड़क से चल रहे उक्त व्यक्ति को अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दी तथा उसका उपचार न करते हुए वहां से फरार हो गया। जिसके चलते गंभीर रुप से घायल व्यक्ति की मौत हो गई। देवरी पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

दुपहिया चोरी

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत न्यू लक्ष्मीनगर निवासी फर्यादी देवेंद्र बैराम भगत ने एस.डी.एम कार्यालय परिसर में अपनी दुपहिया क्रमांक एमएच ३५ एल-७६५० कीमत ५० हजार को खड़ा रखा था। इसी दौरान किन्ही अज्ञात चोर दुपहिया को लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उपचार के दौरान मौत

नवेगांव बांध पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम अर्जुनी मोरगांव निवासी वासुदेव शहारे (३९) का स्वास्थ्य खराब होने से उसे ग्रामीण चिकित्सालय में उपचार हेतु भर्ती करवाया गया था। जहां उसकी मौत हो गई। डॉक्टर द्वारा जारी किए गए मेमो तथा सफाईकर्मी फर्यादी जयंत भैय्यालाल सांडेकर (४५) की शिकायत के आधार पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

चाकू से हमला

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले गोवर्धन चौक छोटा गोंदिया में फर्यादी विजय दुर्गा सोनुले (२२) अपने मित्र के साथ घुमने गया था। जहां उसका मित्र रितीक मेश्राम आरोपी के पानठेले में खर्रा लेने गया, जिसपर आरोपी ने कहा कि तुझे खर्रा नही मिलेंगा इस बात का जब फर्यादी द्वारा विरोध किया गया तो आरोपी ने पानठेले में मौजुद चाकु से फर्यादी के गाल पर वार कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। फर्यादी की शिकायत के आधार पर शहर थाने में आरोपी के खिलाफ धारा ३२४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार पारधी द्वारा की जा रही है।

दुध टैंकर की टक्कर से मौत

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले पानी टंकी के समीप दुध टैंकर के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन तेज गति से चलाते हुए मोटर सायकल क्रमांक एमएच ३५ ए.के. १९०८ को पिछे से टक्कर मार दी। जिसके चलते मोटर सायकल में सवार गोपाल वासुदेव तावाडे की मौत हो गई तथा राहुल राजु चंदेल (१६) गंभीर रुप से घायल हो गया। फर्यादी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर वाहन क्रमांक जीजे. ०२ व्ही.व्ही. ७१९६ के चालक के खिलाफ धारा २७९, ३३७, ३०४ अ, भांदवी के तहत मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच पुलिस हवलदार गजपूरे कर रहे है।

दहेज प्रताड़ना के दो मामले दर्ज

दहेज के लिए विवाहिता की प्रताड़ना के दो मामले सालेकसा तथा रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत दर्ज किए गए है। सालेकसा पुलिस थानांतर्गत आमगांव खुर्द निवासी २८ वर्षीय फर्यादी ने शिकायत दर्ज करवाई है कि विवाह के कुछ दिनों के बाद विवाहिता को मायके से दो लाख रुपए लाने हेतु पति समेत घर के ५ सदस्यों ने आपसी में सांठगांठ कर प्रताड़ित किया। शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ ४९८ (अ) ३४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसी प्रकार दुसरा मामला रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत दर्ज किया गया। फुलचुर नाका निवासी (४२) वर्षीय विवाहिता ने शिकायत दर्ज कराई है कि २००९ में उसका विवाह आरोपी के साथ हुआ तथा इसके तीन महिनों के पश्चात ही आरोपी उसके परिजनों ने आपसी सांठगांठ कर दहेज के लिए प्रताड़ित किया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा ४९८ (अ), ३४ के तहत मामला दर्ज किया है।

कुंए में मिला शव

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत बाजार चौक फुलचुर निवासी ताराचंद सुरजलाल कटरे (५१) का शव ४ जनवरी को फुलचुर निवासी किशनलाल बघेले की मालकियत के कुंए में मिला। जिसके चलते उक्त परिसर में खलबली मच गई। इस मामले में फर्यादी पुलिस पटेल मंगला दिनेश तिड़के की लिखित शिकायत पर धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की आगे की जांच पुलिस हवलदार मलेवार कर रहे है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

जागृती पत संस्था के संचालक मंडल का कारनामा

3.3१ करोड़ का घोटाला उजागर

गोंदिया- तिरोड़ा तहसील के मुंडीकोटा में जागृती सहकारी पतसंस्था मर्या. है। जिसमें हजारों ग्राहाकों ने निवेश किया है। राशि भी जमा की गई है। लेकिन उक्त संस्था के संचालक मंडल एवं प्रबंधन ३ करोड़ ३० लाख ७१ हजार ३२५ रुपए की हेराफेरी कर ग्राहकों को फंसाया है। इस मामले की शिकायत श्रेणी-१ सहकरी संस्था गोंदिया के लेखा परिक्षण गणेश मारोती हलमारे (४२) ने की है। जिसके आधार पर तिरोड़ा पुलिस ने संचालक मंडल एवं प्रबंधक इस प्रकार २५ आरोपियों के खिलाफ धारा ४०६, ४०९, ४२०, ३४ भादंवि की सहायक धारा ३,४ महाराष्ट्र ठेवीदार हितसंबंध रक्षण अधिनियम १९९९ के तहत मामला दर्ज किया है।

ज्ञात हो कि जागृती सहकारी पतसंस्था मुंडीकोटा में ६ हजार से अधिक ग्राहकों ने खाता खोलकर राशि जमा की थी। इनमें से ऐसे अनेक ग्राहक हैं जिन्होंने मकान, प्लॉट बेचकर मिली राशि इस संस्था में जमा कराई है। लेकिन पतसंस्था के प्रबंधक तथा संचालक मंडल ने ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी की। बताया गया कि जागृती सहकारी पत संस्था का लेखा परीक्षण १६ जुलाई २०२० से ११ दिसंबर २०२० तक किया गया। लेखा परिक्षण का अहवाल जिला उपनिबंधक कार्यालय को १८ दिसंबर २०२० को प्रस्तुत किया गया। जिसमें बताया गया कि १ अप्रैल २०१५ से ३१ मार्च २०१९ की कालावधि में नियमबाहृय व्यवहार किया गया। इस कालावधि में ३ करोड़ ३० लाख ७१ हजार ३२५ रुपए की हेराफेरी किए जाने की जानकारी अहवाल के माध्यम से सामने आई। जिस पर इस मामले की शिकायत विशेष लेखा परीक्षण अधिकारी गणेश हलमारे ने तिरोड़ा थाने में ३० दिसंबर को की है।

उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए है। आगे की जांच पुलिस निरीक्षक योगेश पारधी कर रहे है।

धान खरीदी केंद्रो में बारदाना उपलब्ध करें- आरती जांगळे

संवाददाता देवरी- किसानों को धान का योग्य मुल्य प्राप्त हो इस हेतु शासन की ओर से धान खरीदी केंद्र खोले गए है। लेकिन केंद्रो में बारदाना उपलब्ध नहीं होने से किसानों का धान बारदाने समेत खरीदी केंद्रो में लिया जा रहा है। जिसके चलते बारदाने की राशि का नुकसान किसानों को झेलना पड़ रहा है। तहसील में पिछले २० दिनों से सरकारी धान खरीदी केंद्रो में बारदाने उपलब्ध नहीं है। जिसकी वजह से किसानों का धान बारदाने समेत लिया जा रहा है तथा उन्हें बारदाने की अतिरिक्त राशि का नुकसान झेलना पड़ रहा है। इस स्थिति के चलते तहसील के अनेक गरीब किसान व्यापारियों के हांथ अपना धान मजबूरी में बेच रहे है।

इस वर्ष वैसे भी धान का उत्पादन कम हुआ है तथा ऐसे में फसलों में लगे कीटक तथा रोगो से किसानों की कमर टुट गई है। इस संदर्भ में धान खरीदी केंद्रो जल्द से जल्द बारदाना उपलब्ध करवाने की मांग राष्ट्रवादी कार्यकर्ता आरती जांगळे की ओर से की गई है।

मोक्षधाम में बनाए प्रार्थना भवन

गोंदिया शहर के प्रमुख पार्वती घाट मोक्षधाम भूमि पर सर्व समाज द्वारा अस्थियों का दाह संस्कार विधी-विधान पूर्वक कई वर्षों से किया जा रहा है। दाह संस्कार के पश्चात आत्मा की शांती हेतु श्रद्धांजलि व प्रार्थना हेतु सभा की जाती है। लेकिन मोक्षधाम में प्रार्थना भवन नहीं होने से आसपास के खुले परिसर में उपरोक्त कार्य करना पड़ता है। जिससे नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी तथा बारिश के मौसम में दाह संस्कार करने आए नागरिकों तथा मृतक के परिजनों की परेशानी और अधिक बढ़ जाती है। जिसके चलते मोक्षधाम परिसर में प्रार्थना सभागृह बनाए जाने का ज्ञापन नरेश गुप्ता, शिव अग्रवाल, जगदीश मिश्रा, दिनेश पटले, अतुल दुबे, राजा बंसोड, शुशिल अग्रवाल, रवि कासलीवाल, कैलाश कनोजिया, शशी तिवारी आदि द्वारा नप के मुख्याधिकारी को सौंपा गया।

ऑपरेशन मुस्कान ९ के तहत

गोंदिया जिला पुलिस ने २५ लड़कियों को परिजनों को सौपा

गोंदिया- प्रेम संबंध के चलते अपने प्रेमी संग परिजनों को छोड़कर भागी २५ लड़कियों की खोज कर गोंदिया जिला पुलिस ने उन्हें उनके परिजनों को सौंपा। यह उच्च कार्य ऑपरेशन मुस्कान ९ के तहत किया गया। जिसमें १८ वर्ष की आयु के नीचे के १४ तथा १८ वर्ष की आयु के ऊपर ११ यूवतियों का समावेश है। मुस्कान ९ ऑपरेशन के तहत पुलिस अधिक्षक विश्व पानसरे के सफल मार्गदर्शन में इस तरह के मामलों में अपने परिवार से बिछड़ी युवतियों को परिवारजनों को सौंपने का कार्य किया जा रहा है। गौरतलब है कि कुछ वर्ष पूर्व रिलीज हुई फिल्म सैराट प्रेमकथा पर आधारित थी तथा अपनी छाप छोड़ने में भी कामयाब हुई थी। लेकिन इसके पश्चात युवक तथा युवतियों में भी इसका असर देखा गया तथा युवक-युवतियों द्वारा घर छोड़कर भागने के मामलों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली। विशेष यह है कि इन मामलों में सबसे अधिक संख्या स्कूल में पढ़नेवाले युवतियों की बताई जा रही है। माता-पिता अपने बच्चों सूविधा हेतु कम उम्र से ही उनके हांथ में मोबाईल सौंप रहे है। लेकिन इसका दुरुपयोग कर विद्यार्थी अपने प्रेमी संग बात करते नजर आते है तथा २४ घंटे एक दुसरे के संपर्क में बने रहते है। जिसके चलते प्रेम संबंध के मामले पनप रहे हैं। जिले में प्रेमजाल में फंसाकर युवतियों के साथ शारीरिक शोषण करने के मामले बड़े पैमाने पर सामने आ रहे है। उसी प्रकार शादी का झांसा देकर युवतियों के साथ शारीरिक शोषण किए जाने के लगभग १०० मामले प्रतिवर्ष जिला पुलिस द्वारा दर्ज किए जा रहे है।

विद्यार्थी को दी सायकल

संवाददाता आमगांव- आमगांव तहसील मराठी पत्रकार संघ लंबे समय से जरुरतमंद बच्चों को शिक्षा में सहायता प्रदान करने की पहल कर रहा है। इस संबंध में पूर्व उपसरपंच रवि क्षीरसागर की मदद से ७ वी कक्षा में आमगांव के निवासी प्रवीण राधेश्याम बिलोन को एक सायकल नि:शुल्क प्रदान की गई। इस समय विश्वनाथ मानकर, संघ के अध्यक्ष भोला गुप्ता, प्रज्जवल टेंभुर्णे और प्रवीण के माता-पिता उपस्थित थे। इसके पूर्व भी कई बच्चों को शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की जा चुकी है।

गोठनगांव में महाप्रसाद का वितरण

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव- शांति व अहिंसा का परिचय देनेवाले तिबेतियन धर्मगुरु दलाई लामा द्वारा किए गए कार्यों का आभार व्यक्त करने के लिए नाजेर्लिंग तिबेतियन बस्ती के रिजनल तिबेतियन वुमन एसोसिएशन द्वारा महाप्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात भगवान गौतम बुद्ध व दलाई लामा की प्रतिमा का पूजन कर की गई। प्रेसिडेंट कुनसंग देनेचा, कुंगा डिकी के हाथों गोठनगांव के बुद्ध विहार में महाप्रसाद वितरण किया गया। इस समय उपस्थितों को सैनिटाइजर व मास्क भी बांटे गए।

ग्राम कुड़वा में पूर्व विधायक जैन ने की पक्ष पदाधिकारीयों व नागरिकों से चर्चा

गोंदिया- तहसील राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी की जनसंवाद बैठक गोंदिया तहसील के ग्राम कुड़वा में पूर्व विधायक राजेंद्र जैन व पक्ष के प्रमुख पदाधिकारीयो की उपस्थिती में आयोजित की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक जैन ने उपस्थित ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं से परिसर की समस्याओं के विषय पर चर्चा की साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी मजबूती से कुड़वा जिला परिषद में व दोनों पंचायत समिति में पुरे जोर के साथ चुनाव लड़ेगी इस हेतु संभावित उम्मीदवारों ने अपने परिसर में जनसंपर्क कर पार्टी की रीती निति से आम जनता को अवगत काराया। वरिष्ठ नेतृत्वों द्वारा परिसर के लिए किये गए कार्यां की जानकारी नागरिकों तक पहुचायें व आगामी जिला परिषद व पंचायत चुनावो के लिए योग्य उम्मीदवारो का चयन हो इस हेतु परिसर के ग्रामीण नागरिकों व सामाजिक व्यक्तियों से संपर्क करने का अहवान बैठक के दौरान राजेंद्र जैन की ओर से किया गया। बैठक में प्रमुख रुप से तहसील अध्यक्ष बालकृष्ण पटले, रमेश गौतम, अखिलेश सेठ, पूजा अखिलेश सेठ (धुर्वे), कीर्ति पटले, विनोद तिघारे, महेश वैद्य, योगिता बालाधरे, पायल खोब्रागडे, शैलेष वासनिक, दिनेश गौतम, रज्जु बिसेन, बालचंद टेंभरे, मोहनलाल बोपचे, लक्मीकांत कटरे, अमित बोरकर, रविकाला नागपुरे , आश्विन खोब्रागडे, बुद्धरत्न बागड़े, माधुरी तुरकर, आशिक वासनिक, नरेश बघेले, महेंद्र हरिनखेड़े, राजू बावनथडे, खेमेन्द्र बोपचे, मनोज कटरे, नीलू बिसेन आदि उपस्थित थे।

तेंदुए का और एक मिला शव, गोरेगांव वन परीक्षेत्र अंतर्गत वन्यजीवों का शिकार

दो दिनों में २ तेंदुए व एक नीलगाय के शिकार का मामला

गोंदिया - गोरेगांव वन परीक्षेत्र अंतर्गत आने वाले तिल्ली-मोहगांव परिसर में ४ जनवरी को और एक तेंदुए का शव ३ जनवरी को मिले शव से ५० मीटर की दूरी पर प्राप्त हुआ है। जिसके भी दोनों पंजे व सिर कटा हुआ है। इसके पूर्व रविवार ३ जनवरी को एक खेत परिसर के कुएं में तेंदुए का सिरविहीन व सामने के दोनों पंजे कटा हुआ धड़ मिला था। जिसकी जानकारी एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा वन विभाग को दी गई थी। जिसके पश्चात सोमवार को परिसर में तलाशी अभियान चलाए जाने पर दूसरे तेंदुए का भी उसी अवस्था में एक और शव बरामद हुआ। साथ ही नीलगाय का सिर्फ कटा हुआ सिर ही मिला है, जिससे पूर्ण रुप से शिकार की संभावना जताई जा रही है। साथ ही इस शिकार में जादू-टोना के मामले से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

गोंदिया जिले के वनों को संरक्षित वन क्षेत्र का दर्जा प्राप्त होने के पश्चात वन्यजीवों की संख्या में गत कुछ वर्षो में बढ़ोतरी हो रही है। जिसके चलते अब शिकार की भी घटनाएं बड़े पैमाने पर सामने आ रही है।

इसके १ माह पूर्व ही गोंदिया वन परीक्षेत्र अंतर्गत चुटिया-लोधीटोला के एक खेत में शेर का शिकार किया गया था। जिसके चलते अब वन विभाग को शिकारियों पर लगाम लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है,

अन्यथा भविष्य में वन्यजीवों का शिकार और बड़े पैमाने पर हो सकता है।

फिलहाल उपरोक्त मामले में मृत तेंदुए का शव विच्छेदन कर आगे की जांच उप वन संरक्षक कुलराज सिंग, सहायक वन संरक्षक एस.एस. सदगीर, मानद वन्य जीववनरक्षक मुकुंद धुर्वे के मार्गदर्शन में गोरेगांव के वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रवीण साठवने द्वारा की जा रही है।

यात्री की जान बचाने पर रायकवार का सत्कार

गोंदिया- गोंदिया रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रन पर चढ़ने का प्रयास करते समय गिरे बुजुर्ग यात्री की जान बचाने वाले आरपीएफ के प्रधान आरक्षक राजेंद्र रायकवार को मंडल सुरक्षा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने प्रशंसा पत्र तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। गौरतलब है कि प्रधाान आरक्षक राजेंद्र रायकवार की सजगता और हिम्मत से एक बुजूर्ग यात्री मौलिक जयसन हरिहरभाई (६०) जो कि कालीकट से सुरत के लिए यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान गोंदिया स्टेशन में पानी लेने के दौरान उनकी ट्रेन छुट गई वह चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहे थे कि उनका संतुलन बिगड़ गया। लेकिन स्टेशन में अपनी डियुटी निभा रहे राजेंद्र रायकवार ने सजगता का परिचय देते हुए से पहले यात्री को बचा लिया। हवलदार राजेंद्र रायकवार द्वारा किए गए उक्त कार्य की वजह से सेंट्रल रेलवे के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने हवलदार राजेंद्र को प्रशंशा पत्र, प्रशस्ति पत्र तथा रिवार्ड देकर उनके द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा करते हुए पुरस्कुत किया। प्रशंसा पत्र मिलने पर आरपीएफ हवलदार राजेंद्र रायकवार ने खुशी जाहिर करते हुए अपने पोस्ट प्रभारी सहित वरिष्ठ अधिकारियों को प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

क्या आप परेशान हैं?

शादी से पहले, शादी के बाद की कमजोरी
उम्र की अधिकता से सेक्स में कमजोरी
नि:संतान, स्वप्नदोष, इंद्रिय का छोटापन
टेढ़ापन, शिथिलता, शुगर से आयी कमजोरी
आदि समस्याओं के ईलाज के लिए...

हर रविवार
सुबह 11 से 4 बजे

डॉ.सुशील गेडाम
बी.ए.एम.एस., एस.एच.सी.
धनवंतरी आयुर्वेदिक दवाखाना
शॉप नं.31, राजलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स,
पाल चौक, गोंदिया

संपर्क क्र.: 7879453857, 8964889608

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।